

जिनकी ट्रेनिंग मिल रही है उनको भी यह शिक्षा दी जायगी।

**डा० सत्यबाबू :** क्या मैं जान सकता हूँ कि इस किस्म के सेंटर मुल्क के दूसरे खास खास मुकामात पर भी खोले जा रहे हैं, और अगर ऐसा है तो किन किन मुकामात पर और कब तक ?

**राजकुमारी अमृत कौर :** जहां तक मुझे मालूम है दूसरे प्रान्तों में तो नहीं खोले जा रहे हैं। यह पहली योजना है जो हमने यहां केंद्र में ही बनायी है।

#### PASSENGER AMENITIES

\*901. **Shri Tushar Chatterjea:** Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether Government are aware that due to shortage of carriage-cleaners staff at important stations of the Eastern Railway, passengers experience much inconvenience; and

(b) whether Government propose to increase their number?

**The Parliamentary Secretary to the Minister of Railways and Transport (Shri Shahnawaz Khan):** (a) No, Sir.

(b) It is not proposed to increase their number at present. The strength of carriage cleaners at important stations is reviewed periodically and increase effected whenever found necessary.

**Shri Tushar Chatterjea:** What is the number of such cleaners for the stations?

**Shri Shahnawaz Khan:** It varies with the stations.

**Shri Tushar Chatterjea:** I want to know the exact number for a junction station.

**Mr. Speaker:** I think it will also vary from junction to junction.

#### DELIVERY OF MAILS

\*903. **Shri Subodh Hasda:** Will the Minister of Communications be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the frequency of delivery of letters in rural areas in West Bengal especially in Midnapore District is once a week only; and

(b) if so, the action taken to increase the frequency of delivery?

**The Minister of Communications (Shri Jagjivan Ram):** (a) No. Most of the villages in this area receive more frequent deliveries; the frequency in the Midnapore District is once a week only in 76 villages whereas the number of villages where postal articles are delivered more frequently is 14,971.

(b) Progressive action is being taken to increase the frequency of postal delivery by opening new post offices and sanctioning additional delivery staff in the existing offices where justified.

**Shri Subodh Hasda:** May I know whether it is a fact that the general public suffer for want of telegraph facilities in rural areas?

**Shri Jagjivan Ram:** The scheme is to have a telegraph office at the headquarters of every *thana* in the State of West Bengal, and when that scheme is completed, the telegraph offices will be available at reasonable distances.

**Shri S. C. Samanta:** The hon. Minister said that deliveries of letters are made once a week only in 76 villages. May I know whether the hon. Minister is also aware that the letters are delivered to teachers of schools in the villages, where the real owner is not available or, are delivered in hats and bazars to persons known to the addressee?

**Shri Jagjivan Ram:** It does happen sometimes, and I am afraid it will continue. When the postman finds that there is only a single letter to be delivered for a particular village, he, instead of walking to that village, requests a teacher or some responsible person of that village whom he finds in the hats near the post office, to

carry that letter and deliver it to the person.

### धनुषकोटि रेलवे स्टेशन

श्री अनिरुद्ध सिंह : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले ५ वर्षों में समुद्र किनारी दूर धनुषकोटि (दक्षिण रेलवे) रेलवे स्टेशन की ओर बढ़ आया है;

(ख) क्या विशेषज्ञों ने राय दी है कि तीन वर्षों के अन्दर धनुषकोटि रेलवे स्टेशन तक की जमीन को समुद्र अपने गर्भ में ले लेगा, और

(ग) यदि हां, तो रेलवे प्रशासन धनुषकोटि रेलवे स्टेशन को बचाने तथा भारत और लंका के बीच यातायात सम्बन्ध बनाये रखने के लिए क्या प्रबन्ध करने का विचार कर रहा है ?

रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलगेशान):

(क) लगभग २५० फीट।

(ख) इस तरह का कोई सुझाव नहीं मिला है।

(ग) दक्षिण-पश्चिमी मानसून के समय समुद्र किनारे की बालू द्वीप को दक्षिणी किनारे की ओर बहा ले जाता है। भूमि का अधिक कटाव और समुद्र को स्थल की ओर बढ़ने से रोकने के लिए वहाँ तीन बांध (Groynes) बनाने का निश्चय किया गया है। दक्षिण रेलवे ने एक विशेषज्ञ समीक्षित नियुक्त की है जो छज्जे (pier) को धनुषकोटि से हटा कर किसी दूसरे उपयुक्त स्थान पर ले जाने के प्रश्न पर भी विचार कर रही है।

श्री अनिरुद्ध सिंह : क्या यह सही नहीं है कि इस स्थिति की गम्भीरता का अध्ययन करने के लिये माननीय रेलवे मंत्री गत जनवरी महीने में धनुषकोटि गये थे ? यदि हां, तो क्या उनके साथ कोई रेलवे के विशेषज्ञ भी थे, और इस यात्रा के फलस्वरूप उस जहाज के स्टेशन और रेलवे स्टेशन की रक्षा के लिये कोई निष्कर्ष पर पहुँच गये हैं ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री (श्री एल० बी० शस्त्री) : जी हां, मैं वहाँ खुद गया था जब कि

इसकी रिपोर्ट मिली थी। मेरे साथ रेलवे के कुछ आफिसर्स और इंजीनियर्स भी थे। हमने इस कमिटी का फैसला किया है और हमारी उम्मीद है कि वह कमिटी जल्दी ही अपनी राय इसके बारे में देगी। हमने इस पर खास तौर पर जोर दिया है कि रिपोर्ट बहुत जल्द मिले।

श्री अनिरुद्ध सिंह : धनुषकोटि से माल और मुसाफिरों से सालाना आमदनी कितनी है ?

श्री एल० बी० शस्त्री : इसके लिये तो नोटिस की जरूरत है।

### POSTAL UNIONS

\*906. Shri Ram Dass: Will the Minister of Communications be pleased to state:

(a) the number of postal unions that have joined the realignment scheme recently introduced; and

(b) whether a statement will be laid on the Table of the House showing the number of unions (State-wise) that have not joined the scheme and the reasons therefor?

The Minister of Communications (Shri Jagjivan Ram): (a) Nine. They are P&T Unions.

(b) Three All-India Unions namely, All India P&T (including R.M.S.) Administrative Offices Association, Lucknow, All India R.M.S. Inspectors' Association, Ambala, and the All-India Postal Accountants Association, Calcutta, have not joined the scheme. Two of them have stated that the realignment scheme does not serve their interests.

श्री राम दास : क्या मैं जान सकता हूँ कि नई स्कीम के जारी करने से यूनियन्स के लिये अपने ग्रीवासेज का रिड्रूस हासिल करना ज्यादा मुश्किल हो गया है ? अगर ऐसा है तो उसको आसान बनाने के लिये क्या कोई कदम उठाया जा रहा है ?

श्री जगजीवन राम : मैं तो समझता हूँ कि उससे उनके लिये कठिनाई नहीं बल्कि आसानी हो गयी है। लेकिन इस समय मैं जब